एक नजर में

क्रांतिकारी पं. चंद्रशेखर आज़ाद की जयंती पर पुष्पांजलि

बड़नगर। मां भारती के वीर सपूत, महान क्रांतिकारी पं. चंद्रशेखर आज़ाद की जयंती के अवसर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में स्थानीय आज़ाद चौक स्थित स्मारक पर संस्था सदस्यों एवं वरिष्ठजनों की गरिमामयी उपस्थिति में पं. चंद्रशेखर आज़ाद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके द्वारा देश की आजादी में दिए अतुलनीय योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष एवं पार्षद आनंद अनावड़िया, दीपक बरनासिया, अर्चित गोखरू, नितेश गौड़, हेमंत सविता, मोहित शर्मा, नमन छाजेड़, कपिल बरानिया, सुजल भाटी, दीपक सोनी, शुभम ओसतवाल, आयुष निम्बोला, तीर्थराज सिंह सोनगरा, सार्थक वेद, कमल माहेश्वरी, हिमांशु गोमे सहित साथीगण उपस्थित थे।

एसडीएम ने डार्यवर्शन के प्रमाणपत्र वितरित किए

खाचरौद। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नेहा साहू ने स्थानीय अनुभाग में लंबित डायवर्शन प्रकरणों का त्वरित निराकरण करते हुए कैंप लगाकर डायवर्शन के प्रमाण पत्र तहसीलदार अनिल मोरे सहित किसानों की उपस्थित में वितरण किए गए। इस दौरान कुछ आवेदकों ने बताया कि उनके आवेदन 5 वर्ष से लंबित थे जिनका निराकरण हो गया है। डायवर्शन के 28 प्रकरण निराकृत हुए साथ ही जाति प्रमाण पत्र, जन्म मृत्यु सहित अन्य प्रमाण पत्र भी लगातार शिविर लगाकर वितरित किए जा रहे हैं।

कल होगी गिरनार तीर्थ की भाव यात्रा

खाचरौद। नगर मे चातुर्मास चल रहा है उसी कड़ी में रविवार 27 जुलाई को साध्वी सुपार्श्व निधि की निश्रा में गिरनार तीर्थ की भाव यात्रा मुंबई के सुप्रसिद्ध संगीतकार ईशान डोशी एवं कवन शाह द्वारा राजेन्द्र सूरी जैन पोषध शाला में आयोजित की जाएगी। जिसमें जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ के जन्म और दीक्षा कल्याणक महोत्सव के अवसर पर गिरनार तीर्थ की भाव यात्रा कराई जाएगी। ईशान डोशी मुंबई की ओर से गिरनार तीर्थ के बारे में श्रावक-श्राविकाओं को विस्तार से समझाया जाएगा। जैन संगीतकार केविन शाह की ओर से भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। यह भाव यात्रा नेमिनाथ प्रभु के जन्म और दीक्षा कल्याणक के अवसर पर आयोजित की जा रही है। गिरनार पर्वत जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ की निर्वाण भूमि गिरनार भावयात्रा में गिरनार तीर्थ के प्रत्येक विवरण को ऊपर से नीचे तक शामिल किया गया है। इस महातीर्थ के विशाल इतिहास, जिन शासन के कई प्राचीन नायकों के बलिदान और जिन शासन के गुरु भगवंतों और वर्तमान नायकों द्वारा दिए गए बलिदान और प्रयासों को शामिल किया गया है। गिरनार भावयात्रा का उद्देश्य सभी को गिरनार यात्रा के लिए प्रेरित करना है।

नशे के खिलाफ चलाया हस्ताक्षर अभियान नशे से दूरी है जरूरी की ली शपथ

उज्जैन। मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित नशा मुक्ति जन जागृती अभियान नशे से दूरी हैं ज़रूरी के अंतर्गत थाना खाराकुआं परिसर में थाना प्रभारी राजकुमार मालवीय के नेतृत्व में थाना स्टाफ एवं नगर रक्षा समिति के सदस्य गणों नशे के खिलाफ शपथ ली साथ ही थाना खाराकुंआ में नशे के खिलाफ जन जागृति अभियान के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। थाना शांति समिति सदस्य सामाजिक कार्यकर्ता मुस्तफा ए पीठावाला ने बताया कि कार्यक्रम में नगर रक्षा समिति के सदस्यगण और आम-जनों महिला, पुरुषों ने हिस्सा लिया। सभी से आव्हान किया कि नशा परिवार और समाज के लिए बर्बादी और विनाश का कारण है इससे होने वाले दुष्परिणामों से बचकर रहें।

उज्जैन की मिसेस वंदना तिवारी ने प्रांत में बनाई तीसरी पोजीशन

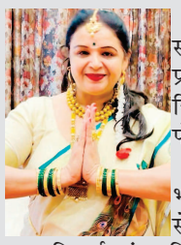

उज्जैन। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन मध्यप्रदेश द्वारा पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता प्रांत स्तर पर आयोजित की गई। जिसमें उज्जैन की वंदना तिवारी ने प्रांत में थर्ड पोजिशन बनाई।

वंदना तिवारी ने प्रतियोगिता में अपनी भारतीय पारंपरिक वेशभूषा को सुसज्जित ढंग से प्रेषित करते हुए दक्षिण भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई। वंदना तिवारी पूर्व में भी मिसेस उज्जैन, खाना खजाना, कुकिंग कंपटीशन, नृत्य प्रस्तुति, रेंप वाक सहित अन्य प्रतियोगिताओं, समारोह में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं।

माधव कॉलेज का भूगोल एकादमिक समृद्ध विभाग : प्रो कल्पना सिंह

उज्जैन। माधव कॉलेज के भूगोल विभाग की अपनी ऐतिहासिक पहचान रही है। इस विभाग के शिक्षक और विद्यार्थियों ने अनुशासित रहकर कॉलेज को अकादमिक समृद्ध किया है। यह उद्गार प्राचार्य प्रो कल्पना वीरेंद्र सिंह ने भूगोल विभाग के यू जी सी नेट उत्तीर्ण विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि विभाग अध्यक्ष डॉ रवि मिश्रा का कार्यकाल भी उपलब्धियां भरा रहा है। डॉ. मोहन निमोले ने बताया कि महाविद्यालय के भूगोल विभाग के स्नाकोत्तर के विद्यार्थी लोकेश अहिरवार, शोधार्थी लखन परमार ने जून 2025 में आयोजित यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की साथ में शोधार्थी विवेक भारद्वाज ने जून 2025 में आयोजित यूजीसी नेट व जे आर एफ की परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय को नई-नई सौगात प्राप्त हो रही है : प्रो .भारद्वाज

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की पहचान कुछ अलग हटकर ऐसी होनी चाहिये कि हरेक स्तर पर यह विश्वविद्यालय अपना परचम फहराए, यह मंशा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की रही है और भविष्य में इस विश्वविद्यालय के कल्याण के लिए वह बहुत कुछ करने वाले हैं। अब इसके लिए हमारा कर्त्तव्य है कि विक्रम विश्वविद्यालय को अग्रणी बनाने के लिए प्राणपण से जुट जाएं।

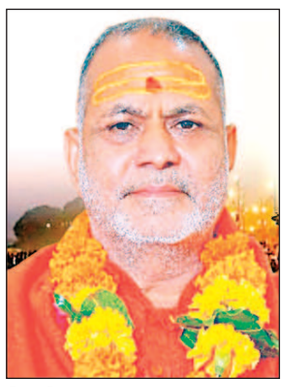

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कार्यपरिषद सदस्य श्री राजेश सिंह कुशवाह ने उपरोक्त उद्गार विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हो रहे सर्वांगीण विकास में कार्यपरिषद् सदस्यों और कुलगुरु के महत्वपूर्ण योगदान पर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय प्राध्यापक कल्याण परिषद उज्जैन द्वारा आयोजित किए गए सारस्वत सम्मान 2025 कार्यक्रम में अपने स्वागत के प्रत्युत्तर में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये।सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय प्राध्यापक कल्याण परिषद द्वारा आयोजित सारस्वत सम्मान समारोह में कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज सहित कार्यपरिषद सदस्य राजेश सिंह कुशवाह, रुप पमनानी, वरुण गुप्ता, डॉ. संजय वर्मा, मंजूषा मिमरोट, कुसुमलता निगवाल, प्रो एस के मिश्रा, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. कामरान सुल्तान एवं डॉ. अलका व्यास, डॉ. कमलेश दशोरा और कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा का विश्वविद्यालय की समस्त अध्ययनशाला और संस्थानों द्वारा शॉल, स्मृति चिन्ह व श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में इस विश्वविद्यालय को नई-नई सौगात प्राप्त हो रही है। यह समय विश्वविद्यालय के लिए अमृतकाल का समय है और इस समय का लाभ विश्वविद्यालय को प्राप्त होना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों से शिक्षकों का संवाद होना चाहिए विद्यार्थियों का सही मार्गदर्शन करना शिक्षकों का प्रथम कर्तव्य होता है और हमारी विद्यार्थियों से अंत-क्रिया में कमी है इसे बढ़ाया जाए।

कार्यपरिषद सदस्य वरुण गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय न सिर्फ विद्यार्थियों का कल्याण करता है बल्कि शिक्षकों का भी कल्याण करता है और नई पीढ़ी को सजाने व संवारने के लिए हमें अपने धार्मिक संस्कारों के साथ विद्यार्थियों को शिक्षित व दीक्षित करने की आवश्यकता है। अन्य सदस्य मंजूषा मिमरोट, कुसुमलता निगवाल, प्रो. कामरान सुल्तान, प्रो. कमलेश दशोरा, प्रो. एस.के. मिश्रा, प्रो. दीपक गुप्ता, प्रो. अलका व्यास, ने भी शुभकामनाएं दी। समारोह में स्वागत भाषण संकाय सदस्य डॉ. योगेश कुल्मी ने देते हुए विजिटिंग फैकल्टी व गेस्ट फैकल्टी की ओर से अधिकार और कर्तव्यों की बात रखी गई। साथ ही कहा कि,विश्वविद्यालय को नई दिशा देने के लिए अतिथि शिक्षक साथ हैं । अतिथियों का स्वागत प्राध्यापक कल्याण परिषद अध्यक्ष डॉ. हेमंत लोदवाल एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ सुशील कुमार शर्मा द्वारा किया गया। अतिथियों का सम्मान डॉ. नेहा माथुर डॉ. प्रीति पाण्डे, डॉ. उमा शर्मा, डॉ. राकेश पांडे, डॉ. जितेश पोरवाल, डॉ. मनीष चोरे, डॉ. संतोष ठाकुर, सचिव डॉ.अजय शर्मा,एवं डॉ. मुकेश वाणी ने किया। संचालन डॉ. रुचिका खंडेलवाल ने किया तथा आभार सचिव डॉ. अजय शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया।

श्री हिरदेश्वर महादेव मंदिर में हुआ अखंड रामायण पाठ

उज्जैन। युवा मंच सत्संग समिति एवं श्री हिरदेश्वर सामाजिक कल्याण सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में श्री हिरदेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में बाबा हिरदेश्वर महादेव का पूजन अभिषेक कर अखंड रामायण प्रारंभ हुई। पूर्णाहुति पश्चात हवन पूजन अभिषेक किया गया। साथ ही संगीतमय ओम नम: शिवाय का जाप चरणदासजी के मुखारविंद से किये। सवा घंटे में 5 लाख ओम नम: शिवाय के जाप किये। साथ ही झुग्गी झोपड़ी सेंट पॉल स्कूल के सामने बस्ती के सभी निवासियों को भोजन प्रसादी महाभंडारे का आयोजन और वस्त्र वितरण मंच के श्रद्धालुओं के द्वारा किए गए। मंच की बहनों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

समाजसेवी अजीत मंगलम ने बताया कि अखंड रामायण के मुख्य यजमान रूप सिंह बुंदेला रहे।

महाप्रसादी एवं पौधारोपण मंच की बहनों द्वारा किया गया वस्त्र वितरण भी किए गए। सभी भक्तों ने ओम नम: शिवाय का जाप में खूब आनंद पूर्वक भगवान की भक्ति की। श्री हिरदेश्वर महादेव मंदिर हीरा मिल परिसर जीरो पॉइंट ब्रिज के पास का मंदिर जीर्णोध्दार चल रहा है। भक्तों के द्वारा मंदिर में पीछे की साइड विराजित हनुमान जी के शिखर का निर्माण चल रहा है सभी भक्तों से निवेदन है आप अति प्राचीन श्री हृदय ईश्वर बाबा के दर्शन एवं पवन पुत्र हनुमान जी के दर्शन कर धर्म लाभ ले।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय तिवारी, अरविंद जैन, लीलाधर आड़तिया, शिव नारायण जागीरदार थे। संचालन संस्थापक गोपाल बागरवाल ने किया। इस अवसर पर मंच अध्यक्ष मनोहर परमार, उपाध्यक्ष महेश सोनोने, सह सचिव पारस कुमार जैन, कोषाध्यक्ष पंडित संतोष शर्मा, कार्यालय प्रभारी अशोक कपूर, धर्मेंद्र जैन, राजेश राणा, गेहूं वितरण समिति संयोजक अनिल लश्करी, संजय शुक्ला, किशन भाटी, ओम प्रेमलता रामी, अर्जुन माली, भरत माली, दीपक राव, महेंद्र रामी, अनुज शर्मा, महेश गुप्ता, राजेश श्रीवास, वीरेंद्र परमार, राजू लश्करी, मनोज सक्सेना, जीवन यादव, दशरथ परमार, किशोर सिंह पाटीदार आर्मी रिटायर्ड सूबेदार आदि युवा मंच महिला सत्संग समिति की संरक्षक गीता रामी, प्रतिभा अग्निहोत्री की मंडली के द्वारा हिरदेश्वर महादेव का अभिषेक पूजन कर कीर्तन किया गया। अध्यक्ष पिंकी यादव, सचिव लक्ष्मी लश्करी, सह सचिव गीता राठौर, राजू बागरवाल, भारती गुप्ता, सविता शर्मा, सुनीता सोनोने आदि सदस्य एवं भक्तगण उपस्थित रहे।

झूठा न छोड़ने और साफ थाली अभियान की जागृति के लिए पर्चे का लोकार्पण

बड़नगर। मुंबई के व्यवसाई बड़नगर निवासी अभय छाजेड़ ने नगर में साफ थाली अभियान प्रारंभ किया । इस अभियान में लोगों से आग्रह किया जाता है कि आप अपनी नाश्ते की प्लेट और भोजन की थाली में बिल्कुल भी जूठा नहीं छोड़े। इस अभियान के प्रेरक अभय छाजेड़ है आपने इस अभियान के लिए एक सोशल मीडिया ग्रुप बनाया गया है जिसके एडमिन अशोक संघवी हैं। छाजेड़ ने इस अभियान के जागृति पर्चे प्रकाशित किए , जिनका लोकार्पण गुरुवार को हिंदू पंचान समिति अध्यक्ष प्रेमचंद त्रिवेदी द्वितीय, गीता भवन समिति अध्यक्ष हरिकिशन मेंलवानी, अशोक संघवी ने प्रो. हरगोविंद मेलवाणी, राजेंद्र कौशल, उषा पंड्या, ओमप्रकाश गहलोत, डॉ. प्रवेश सोनी, हेमंत देशमुख,दिलीप पंचाक्षरी, राजेंद्र आचार्य की उपस्थिति में किया।

निरंकारी इंग्लिश मीडियम संत समागम संपन्न

उज्जैन। संत निरंकारी मंडल दिल्ली जोन उज्जैन ब्रांच नीमच के तत्वावधान में जोन स्तरीय इंग्लिश मीडियम संत समागम (ईएमएस) संत निरकारी सत्संग भवन नीमच में संपन्न हुआ। समागम में उज्जैन सहित मंदसौर, रतलाम, खडावदा, मनासा, पिपलिया मंडी, नई फ़तेहगड, मावता, जवाद की 500 से 600 के लगभग साध संगत ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में उज्जैन जोन के जोनल इंचार्ज राजकुमार गंवानी ने सभी संतो का स्वागत कर कहा कि नीमच आये हुए सभी साध संगत ने हिंदी और अंग्रेजी का सहारा लेकर अपना विचार और प्रस्तुतिया दी। वास्तव में देखा जाए तो सभी ने सतगुरू का सहारा लिया। यही भाव हमे जीवन में उन्नति की और ले जाते है। मानव को मानव से जोड़ते है। उज्जैन के मीडिया सहायक विनोद गज्जर ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुग्राम हरियाणा से आये महात्मा पंकज पोपलि ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में हरदेव वाणी के पाठ से की गयी। उसके बाद सभी ब्रांचों से आये महापुरुष बहनो एवं बच्चो ने गीतों, भजनों, कवि दरबार, एवं नाट्य प्रसतुत कर सतगुरु के सन्देश को मंच के माध्यम से साध संगत तक पहुचाया। अपने अध्यक्षीय उदबोधन में पंकजजी ने कहा ईएमएस हमें सीखने के मोके देता है। इसकी त्यारियों में जिस गुरुशिख कुछ सिखा तो मुबारक है। आपको कई बार दूनिया की बातो से डिस्कनेक्ट कर एक निरंकार में को समर्पित हो जाए तो ये निरंकार का ज्ञान पूरा मिला है जो इस निरंकार को समर्पित नहीं होते है वो ब्राह्मो में उल्झे रहते है। ब्रहम उन्ही दरवाजो से आता है जिन्हें हम जानबूझकर खुला छोड़ देते है। साध संगत समर्पण में कमी नहीं आने दे सेवा से जुड़ जावगे तो में मेरी का भाव ख़तम हो जायेगा बारबार सतगुरू माता जी यही सन्देश दे रहे है एक निरंकार से जुड़ जाता है वह साध संगत को गुरू के रूप में देखता है उसे कभी ब्रहम छु नहीं सकता है।

महिलाओं को नशे के प्रति जागरूक किया

महिदपुर। प्रदेश सहित जिले में नशे से दूरी है जरूरी अभियान पुलिस के द्वारा चलाया जा रहा है। इसमें स्कूली बच्चों सहित सार्वजनिक स्थानों पर भी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया जा रहा है। जिसमें थाने के आला अधिकारी लोगों को नशे के प्रति जागरूक कर नशा नहीं करने की शपथ भी दिला रहे हैं। इसी क्रम में महिदपुर नगर पालिका में थाना पुलिस ने महिलाओं को नशे के प्रति जागरूक किया और नशे से दूर रहने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए प्रचार प्रसार करने का आव्हान किया गया और आसपास जो भी लोग नशा करते हैं उन्हें उसके

दुष्परिणामों से अवगत कराने के लिए कहा गया।

इस संबंध में महिदपुर थाने की एसआई अन्नपूर्णा राजावात ने बताया कि शासन की एक योजना चल रही है 15 जुलाई से 30 जुलाई तक लोगों को नशे से दूर करने के लिए जागरूक करना और हमारे द्वारा स्कूल और कॉलेज में जाकर नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया जा रहा है। जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और नगर पालिका महिदपुर में भी महिलाओं को कहा गया है कि लोगों को नशे से दूर रहने के बारे में समझाएं और इससे होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया किसी प्रकार से नशा करता है समझाएं।

आंखे होते हुए भी व्यक्ति आग में गिर रहा है : आचार्यश्री

बड़नगर। आज धर्म आराधना करते हुये भी आनंद की अनुभूति क्यो नहीं जीवन में द्रव्य के साथ भाव का भी महत्व है। शरीर की उलझन छोड़कर मिथ्यात्व को निकालना है। सम्यग दर्शन के बिना चारित्र भी निष्फल है। सम्यग दर्शन की महत्ता को समझ कर मिथ्यात्व की भयावहता से बचें।

राजेन्द्रसूरि ज्ञान मंदिर मे चल रहे चातुर्मास में आचार्य दिव्यानंद सूरिश्वरजी उक्त विचार व्यक्त करते हुये कहते है कि मानव अकेला आया है अकेला ही जाना है। आपको आत्मा के उपर से ममत्व को निकालना है। हाथ में जाप की माला हो व मन कही ओर भटक रहा हो तो आत्मा का उद्धार नही होगा। उन्होने कहा कि इस जगत में मेरा कोई नही , मै किसी का नही। अहं की भावना को छोड़कर भगवान के दर्शन , पूजन वंदन के साथ विविध तप आराधना से जुड़ते रहे।

धर्म के मर्म को समझाते हुए युवा मुनि अक्षयविजयजी ने कहा कि धर्म की बाते सभी भूमिका में लागू होती है। संसार की वास्तविकता के कारण हम अंधकार में भटक रहे है। खुली आंखो मे भी दिषा का भ्रम हो रहा है। कभी यह भी विचार करें कि हमने क्या अर्जित किया।

आक्रोश मप्र के डीजीपी के आदेश की बगैर परवाह करें मंदसौर एसपी ने महिला थाने में पदस्थ किया रानी बेग को

न्याय के देवता शनिदेव की तस्वीर लेकर पहुंचे कार्यकर्ता, आईजी कार्यालय के बाहर किया हनुमान चालीसा का पाठ

न्यायालय में दिनांक 5.5.25 को बिना तलाक दिए शादी के मामले में 15000 की जमानत पर रिहा हुई रानी बेग

उज्जैन। मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास, हिंदू टाइगर फोर्स भारत, राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत, आदर्श वाल्मीकि महापंचायत ने हिंदूवादी नेता मनीष सिंह चौहान के नेतृत्व में उज्जैन आईजी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया और न्याय के देवता शनि देव की तस्वीर लेकर पहुचे।

आईजी कार्यालय पहुंचकर हनुमान चालीसा का पाठ कर कहा कि अगर महिला थाना प्रभारी रानी बेग को बर्खास्त नहीं कर तो मध्य प्रदेश में जन आंदोलन किया जाएगा। संपूर्ण मध्य प्रदेश के

जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में रानी बेग, तारिक हुसैन व देवास मुस्लिम धर्म गुरु के पुतले जलाये जाएंगे।

ज्ञापन देते समय वरिष्ठ अधिकारी को मध्यप्रदेश के डीजीपी के आदेश की कॉपी सोपी गई और उनसे पूछा गया कि आप डीजीपी के आदेश का पालन करते हैं कि नहीं अगर पालन करते हैं तो आप तुरंत ही रानी बेग को महिला थाना प्रभारी मंदसौर से बर्खास्त करें क्योंकि रानी बेग पर बिना तलाक लिए शादी वाले मामले में 5.5.25 को उज्जैन न्यायालय से 15000 की जमानत पर रिहा हो चुकी है। डीजीपी ने स्पष्ट अपने आदेश में कहा है कि जिस पुलिस कर्मी के विरुद्ध विभाग में गंभीर मामले लंबित हो या उसके विरुद्ध किसी न्यायालय में मामला पंजीकृत होता उस व्यक्ति को थाने का प्रभार नहीं दिया जाए। लेकिन रानी बेग वाले मामले में लगता है कि मंदसौर एसपी ने रानी बेग को मंदसौर पुलिस थाना महिला को प्रमोशन देकर लवजिहाद को बढ़ावा दिया गया हैं। इस महा आंदोलन में बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के कार्यकर्ता व आदर्श वाल्मीकि महापंचायत समाज के कार्यकर्ता मौजूद थे। आदर्श वाल्मीकि महापंचायत अध्यक्ष राकेश गिरजे, चंदर पहलवान टाक, कमल फतरोड, राज कल्याणे, संदीप पारोचे, गुरुचरण कलोसिया, योगेश डागर, मध्य प्रदेश युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हरि माली, प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश कुमावत राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत के प्रदेश अध्यक्ष मुरली निगम, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार झांझोट, विशाल नागर, हरि चरण मेवाड़ा, किशोर पोरवाल, सोनू सिंह ठाकुर, राहुल जाट, जैन चुरिया, राहुल चावड़ा, आशिष साहू, दिवाकर उपाध्याय, नीलेशानंद महाराज, संतोष दीदी ठाकुर सहित कई सनातनी मौजूद थे।